भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR
"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"
Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE
13th Jan 2025

## English

# "Failure Marks the Beginning of Success, Turning Setbacks into Stepping Stones": Rashmi Samant at IIIT Nagpur.

IIIT Nagpur celebrated National Youth Day with fervour and enthusiasm, marking the birth anniversary of Swami Vivekananda on 13th January 2025. The event highlighted the significance of youth empowerment and leadership in shaping India's future. The occasion was graced by Ms. Rashmi Samant, the first Indian to be elected as president of the Oxford University Students' Union and an author of bestseller "A Hindu in Oxford" and "Ram Janmbhoomi – An Inspiration for Hindu Renaissance". Delivering an inspiring talk on the theme "Viksit Bharat: Role of Youth Leadership in Amrit Kaal", Ms. Samant captivated the audience with her powerful insights and vision for a developed India. Speaking to an audience comprising students, faculty, and dignitaries, Ms. Samant emphasized the importance of youth leadership in the ongoing Amrit Kaal—the 25-year roadmap leading to India's centenary of independence in 2047. She encouraged young minds to draw inspiration from Swami Vivekananda's ideals of selflessness, courage, and determination. "Failure is not the end; it is the beginning of success, where every setback becomes a step forward," Ms. Samant remarked during her address, urging students to embrace challenges as opportunities for growth. She also highlighted how Indian youth have the potential to become global leaders by harnessing their entrepreneurial skills, creativity, innovation, and commitment to societal welfare. The event received support and guidance from Director Dr. Premlal Patel, Registrar Mr. Kailas Dakhale, Associate Dean Dr. Tausif Diwan. Head of Department of Basic Sciences Dr. Prasad Joshi and Dr. Aatish Daryapurkar, President of Institution's Innovation Council (IIC). The program was coordinated by Mr. Vikrant Dhenge, Assistant Professor in the Department of Basic Sciences. The event was skillfully anchored by Mr. Aarya Pandhare and Mr. Sarthak Gupta, while Mr. Amulya Yadav delivered the vote of thanks. National Youth Day at IIIT Nagpur served as a reminder of the transformative role of young leaders in steering the nation toward a brighter future.

**Hindi**

# असफलता अंत नहीं है; यह सफलता की शुरुआत है, जो बाधाओं को सफलता की सीढ़ियों में बदल देती है : रश्मि सामंत

आईआईआईटी, नागपुर ने १३ जनवरी २०२५ को स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस को उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में भारत के भविष्य को आकार देने में युवा सशक्तिकरण और नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की पहली भारतीय अध्यक्ष और "ए हिंदू इन ऑक्सफोर्ड" और "राम जन्मभूमि – इंस्पिरेशन फॉर हिन्दू रिसर्जेंस" की लेखिका सुश्री रश्मि सामंत मौजूद थीं । सुश्री सामंत ने "विकसित भारत: अमृत काल में युवा नेतृत्व की भूमिका" विषय पर एक प्रेरक व्याख्यान देते हुए विकसित भारत के लिए अमृत काल में युवा नेतृत्व के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने युवाओंको स्वामी विवेकानंद के निस्वार्थता, साहस और दृढ़ संकल्प के आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सुश्री सामंत ने अपने संबोधन के दौरान कहा, "असफलता अंत नहीं है; यह सफलता की शुरुआत है, जो बाधाओं को सीढ़ियों में बदल देती है।" उन्होंने छात्रों से विकास के अवसर के रूप में चुनौतियों को स्वीकार करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे भारतीय युवाओं में अपने उद्यमशीलता कौशल, रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उपयोग करके वैश्विक नेता बनने की क्षमता है। इस कार्यक्रम को निदेशक डॉ. प्रेमलाल पटेल, कुलसचिव श्री कैलास डाखले, सहयोगी डीन डॉ. तौसीफ दीवान, मूलभूत विज्ञान विभागप्रमुख डॉ. प्रसाद जोशी और इंस्टीट्यूशन (आईआईसी) के अध्यक्ष डॉ. आतिश दरियापुरकर का समर्थन और मार्गदर्शन मिला। मूलभूत विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री विक्रांत ढेंगे ने कार्यक्रम का नेतृत्व और समन्वय किया। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन श्री आर्य पंधारे और श्री सार्थक गुप्ता ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री अमूल्य यादव ने किया। आईआईआईटी, नागपुर में राष्ट्रीय युवा दिवस के इस आयोजन ने राष्ट्र को उज्जवल भविष्य की ओर ले जाने में युवा नेताओं की परिवर्तनकारी भूमिका को अधोरेखित किया।

**Marathi**

## अपयश हा शेवट नाही; ही यशाची सुरुवात आहे, जी अडथळयांना यशाच्या पायऱ्यांमध्ये बदलते: रश्मी सामंत

आयआयआयटी नागपूरने १३ जानेवारी २०२५ रोजी स्वामी विवेकानंद यांच्या जयंतीनिमित्त राष्ट्रीय युवा दिन उत्साहात साजरा केला. या कार्यक्रमात भारताचे भविष्य घडवण्यात युवा सक्षमीकरण आणि नेतृत्वाचे महत्त्व अधोरेखित करण्यात आले. या प्रसंगी ऑक्सफर्ड विद्यापीठ विद्यार्थी संघटनेच्या पहिल्या भारतीय अध्यक्षा आणि "अ हिंदू इन ऑक्सफर्ड" आणि "राम जन्मभूमी - हिंदू पुनरुत्थानासाठी प्रेरणा" या पुस्तकांच्या लेखिका सुश्री रश्मी सामंत उपस्थित होत्या. "विकसित भारत: अमृतकाळात युवा नेतृत्वाची भूमिका" या विषयावर प्रेरक व्याख्यान देताना, सुश्री सामंत यांनी विकसित भारतासाठी अमृत काळात युवा नेतृत्वाचे महत्त्व अधोरेखित केले. त्यांनी तरुणांना स्वामी विवेकानंदांच्या निस्वार्थीपणा, धैर्य आणि दृढनिश्चयाच्या आदर्शांपासून प्रेरणा घेण्यास प्रोत्साहित केले. "अपयश हा शेवट नसतो; ती यशाची सुरुवात असते, जी अडथळयांना पायऱ्या बनवते," असे सुश्री सामंत यांनी आपल्या भाषणात सांगितले. त्यांनी विद्यार्थ्यांना आव्हानांना विकासाची संधी म्हणून स्वीकारण्याचे आवाहन केले. उद्योजकीय कौशल्ये, सर्जनशीलता, नवोन्मेष आणि सामाजिक कल्याणासाठी वचनबद्धता यांचा वापर करून भारतीय तरुणांमध्ये जागतिक नेते बनण्याच्या क्षमतेवर त्यांनी प्रकाश टाकला. या कार्यक्रमाला संचालक डॉ. प्रेमलाल पटेल, कुलसचिव श्री. कैलास डाखले, सहयोगी डीन डॉ. तौसिफ दिवाण, मूलभूत विज्ञान विभागाचे प्रमुख डॉ. प्रसाद जोशी आणि इन्स्टिट्यूशन इनोव्हेशन कौन्सिल (आयआयसी) चे अध्यक्ष डॉ. आतिश दरियापूरकर यांनी सहकार्य आणि मार्गदर्शन केले. मूलभूत विज्ञान विभागाचे सहाय्यक प्राध्यापक श्री. विक्रांत ढेंगे यांनी कार्यक्रमाचे नेतृत्व आणि समन्वय केले. कार्यक्रमाचे संचालन श्री. आर्य पांढरे आणि श्री. सार्थक गुप्ता यांनी प्रभावीपणे केले तर आभार प्रदर्शन श्री. अमूल्य यादव यांनी केले. आयआयआयटी नागपूर येथे झालेल्या या राष्ट्रीय युवा दिनाच्या समारंभात राष्ट्राला उज्ज्वल भविष्याकडे नेण्यात तरुण नेत्यांच्या परिवर्तनकारी भूमिकेवर भर देण्यात आला.